पंजाब केसरी 15-10-2024

रिज्यूम बेहद महत्वपूर्ण, जो पहला इंटरव्यू पाने में मदद करता है : डा. रोहित दत्त

■ जी.एम.एन. कॉलेज में आयोजित वर्कशॉप में रिज्यूम राइटिंग एवं इंटरव्यू स्किल्स पर हुई चर्चा

अम्बाला, 14 अक्तूबर (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज में सोमवार को कॉर्पोरेट रिसोर्स सैंटर द्वारा कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग एवं मैनेजमैंट विभाग के सहयोग से 3 दिवसीय वर्कशॉप शुरू हुई, जिसका शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त के द्वारा किया गया। वर्कशॉप के पहले दिन का विषय रिज्यूम राइटिंग एवं इंटरव्यू स्किल्स रहा।

अपने संबोधन में प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि रिज्यूम बेहद महत्वपूर्ण है जो विद्यार्थी को पहला इंटरव्यू पाने में मदद करता है। प्रो. जस्मिता ने सभी विद्यार्थियों को सत्र के विषय एवं रिसोर्स पर्सन से अवगत करवाया। रिसोर्स पर्सन डा. कमलप्रीत कौर ने बी.सी.ए. तृतीय वर्ष, एम.सी.ए. बी.एस.सी. तृतीय वर्ष एवं एम.एस.सी. के विद्यार्थियों को रिज्यूम राइटिंग की बारीकियों के बारे में बाखूबी समझाया और साथ ही इंटरव्यू के दौरान किन-किन बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए, इस विषय पर भी प्रकाश डाला।

जी.एम.एन. कॉलेज में आयोजित वर्कशॉप के पहले दिन रिज्यूम राइटिंग एवं इंटरव्यू स्किल्स पर चर्चा करने वाले विद्यार्थी। (देवदत्त)

मैनेजमैंट विभाग की विभागाध्यक्ष डा. भारती विज ने बताया कि रिज्यूम एक औपचारिक दस्तावेज है, जिसे नौकरी के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति उस पद के लिए अपनी योग्यताओं को सूचीबद्ध करने के लिए बनाता है। इसमें आमतौर पर कार्य अनुभव, शिक्षा, कौशल और कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी शामिल होती है, जिसे आवेदक अपने भावी नियोक्ता के साथ सांझा करना चाहता है।

सी.आर.सी. की चेयरपर्सन एवं एम.बी.ए. विभाग की विभागाध्यक्ष डा. भारती सुजान ने बताया कि रिज्यूम नौकरी पाने का पहला कदम है। इसलिए विद्यार्थी को यह सुनिश्चित करने में बहुत समय लगाना चाहिए कि रिज्यूम पेशेवर हो, यह दर्शाता है कि आप कौन हैं, इसमें कोई गलती नहीं है, इसमें अनावश्यक जानकारी नहीं है और यह बताता है कि आप नौकरी के लिए सबसे अच्छे उम्मीदवार क्यों हैं।

कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. श्याम रहेजा एवं डीन डा. प्रबलीन कौर ने विद्यार्थियों को इंटरव्यू के महत्व के बारे में बताता कि साक्षात्कार यानी इंटरव्यू के लिए अपना परिचय अच्छी तरह से तैयार करें, अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि बताएं, अपनी व्यावसायिक योग्यता एवं अनुभव आदि के बारे में बात करें। यदि आप नए हैं तो अपने कौशल और कॉलेज परियोजनाओं पर चर्चा करें। सत्र के अंत में सभी विद्यार्थियों ने रिसोर्स पर्सन से प्रश्न पूछे एवं अपनी सभी शंकाओं को दूर किया। वर्कशॉप में प्रो. शिवानी निझावन, प्रो. कविश नायक, डा. अंशु, डा. नियति, प्रो. रितिका के अलावा लगभग 50 विद्यार्थी उपस्थित रहे।